Navbharat pg. 4

नवभारत
भुवनेश्वर, रविवार, 8 दिसम्बर 2019
www.navabharat.org





विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों के लिए जेएसपीएल ने आशा - द होप केंद्र किया शुरू

उद्घाटन जेएसपीएत फाउंडेशन के अध्यक्ष शल्लू जिंदल ने किया

अंगुल. दिव्यांग, विशेष रूप से विकलांग बच्चों की आवश्यकता को पूरा करने के उद्देश्य से, जेएसपीएल फाउंडेशन ने ओडिशा के अंगुल में अपनी एक प्रमुख पहल ह्याआशा द होप का केंद्र शुरू किया है. केंद्र का उद्घाटन आज यानी 7 दिसंबर 2019 को राष्ट्रीय बालभवन के पूर्व अध्यक्ष और जेएसपीएत फाउंडेशन के अध्यक्ष शल्लू जिंदल द्वारा किया गया था. मनोज कुमार मोहंती, कलेक्टर और जिला मजिस्ट्रेट, अंगुल और श्रीजगमोहनमेना, पुलिस अधीक्षक, अंगुल भी मौके पर उपस्थित थे. आशा द होपह्व केंद्र विशेष जरूरतों और अलग-अलग विकलांग व्यक्तियों के बच्चों के पुनर्वास और सशक्तिकरण के लिए काम करेगा. केंद्र भौतिक चिकित्सा, व्यावसायिक चिकित्सा, संवेदी एकीकरण चिकित्सा, बौद्धिक रूप से विकलांग बच्चों के लिए विशेष शिक्षा और श्रवण बाधित, ऑडियोमेट्री और स्पीच थेरेपी जैसी प्रारंभिक हस्तक्षेप सेवाएं प्रदान करेगा. केंद्र विशेष रूप से विकलांग बच्चों / व्यक्तियों को कृत्रिम अंग, सहायक और अनुकूली उपकरण और गतिशीलता सहायता प्रदान करने में भी सहायता करेगा. इसके अलावा, केंद्र कौशल विकास प्रशिक्षण, व्यवसाय प्रशिक्षण कार्यक्रम, संगीत और नृत्य कक्षाएं, खेल गतिविधियों और समुदाय आधारित पुनर्वास सहायता का आयोजन करेगा. केंद्र कलेक्टर मोहंती और अंगुल के जिला मजिस्ट्रेट ने उद्घाटन करते हुए, विशेष रूप से सक्षम व्यक्तियों को सशक्त बनाने के लिए जेएसपीएल फाउंडेशन की प्रतिबद्धता की सराहना की. केंद्र द्वारा प्रदान की गई विशेष सेवाएं निश्चित रूप से विशेष रूप से विकलांग बच्चों और व्यक्तियों के जीवन को बेहतर बनाने में मदद करेंगी, उन्होंने कहा. एसपी मोणा ने कहा कि जेएसपीएल फाउंडेशन की ऐसी पहल एक ऐसा कदम है जो बेहतर कल के लिए बच्चे के जीवन को आकार दे सकता है. इस अवसर पर श्रीमती जिंदल ने कहा, आशा है कि प्रत्येक जरूरतमंद व्यक्ति को समुदाय में शामिल करने के लिए समावेशी विकास के लिए जेएसपीएल फाउंडेशन की प्रतिबद्धताओं का प्रतिबिंब है. रायगढ़ में आशा द होप केंद्र ने पुनर्वास किया और मुख्यधारा में शामिल किया गया है, जिसमें पिछले 10 वर्षों में 45 से अधिक विशेष रूप से विकलांग बच्चे हैं. ओडिशा में झारखंड और अंगुल में इसी तरह की पहल शुरू हुई है. हमारा मानना ??है कि जिला प्रशासन और सरकार के सहयोग से हम इन दिव्यांग बच्चों के अभिभावकों की आकांक्षा को वास्तविकता और मुख्य धारा में लाने में सफल होंगे ताकि इन बच्चों को जीवन पूरी तरह से भाप में मिल सके. अंगुल स्थित आशा होप सेंटर सेवाओं को प्रदान करने के लिए वन फिजियोथेरेपिस्ट, वन ऑक्यूपेशनल थेरेपिस्ट, वन स्पीच थेरेपिस्ट, दो विशेष शिक्षक चिकित्सक और अन्य सहायक कर्मचारियों से सुसज्जित है. इसमें आवश्यक उपकरण भी हैं, जो सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रासंगिक हैं. केंद्र में आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों को मुफ्त सेवाएं दी जाएंगी. जेएसपीएल फाउंडेशन 2009 से छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में ह्याआशा - द होप ह्य के नाम से एक समान केंद्र चला रहा है. इस केंद्र को जाति, सम्प्रदाय, लिंग या सामाजिक-आर्थिक भिन्नता के बावजूद अलग-अलग तरह के लोगों की जरूरत है. हाल ही में फाउंडेशन ने झारखंड के पतरातू में इसी तरह का केंद्र शुरू किया था. आज तक जेएसपीएल फाउंडेशन की आशा होप सेंटर रायगढ़ और पतरातू ने पुनर्वास और सामाजिक मुख्यधारा में शामिल होने के लिए 4600 से अधिक बच्चों / व्यक्तियों का समर्थन किया है. उद्घाटन समारोह में उपस्थित अन्य गणमान्य व्यक्ति जेएसपीएल के मुख्य परिचालन अधिकारी श्रीपंकज गौतम, ईवीपी और ग्रुप हेड (सीएसआर एंड सस्टेनेबिलिटी) श्री प्रशांत कुमार होता, उपाध्यक्ष (सीएसआर एंड आर) श्री एस.के. शारमा, वीपी एंड हेड (एचआर एंड ईएस) श्री आलोक मल्होत्रा , महाप्रबंधक (उफ) श्रीमती पुष्पा सतपथी और जेएसपीएल के अन्य अधिकारी उपस्थित थे.